C.W
29.3.23

Ch-1
पहली बूँद

Date
Page

शब्दार्थ :-

1) पावस - वर्षाकाल   श्यामला - हरी - भरी
2) अधरों - ओठों
3) वसुंधरा - धरती
4) रोमावलि - रोमों की पंक्ति
5) दूब - घास
6) स्वर्णिम - सुनहरा
7) तरुणाई - युवावस्था
8) जलधर - बादल
9) करुणा - दया
10) विगलित्त - पिघला हुआ
11) अश्रु - आँसू
12) चिर प्यास - बहुत दिनों की प्यास

3) सही विकल्प चुनकर (✓) लगाओ -

क) 'पावस' शब्द से क्या आशय है - वर्षाकाल ,

ख) धरती के ओठों पर बूँद किसके समान गिरी - अमृत ,

ग) बादल बिजलियों के नगाड़ों से किसको जगा रहा है - धरती की युवावस्था को ,

घ) कविता में काली पुतली के समान किसे कहा गया है - बादल ,

भाषा बोध :-

2) दिए गए द्वित्व व्यंजन से बने दो-दो शब्द लिखो -

च्च - बच्चा , कच्चा

प्प - खप्पा , दप्पा

त्त - पत्ता , सत्ता

क्क - पक्का , चक्का

3) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखो -

अल्प - अधिक जीवन - मरण

उत्तर - प्रश्न कृतज्ञ - कृतघ्न

अर्थ - अनर्थ सुगंध - दुर्गंध

घृणा - प्यार आकाश - पाताल

4) उचित विकल्प चुनकर उस पर (✓) का चिह्न लगाओ -

i) 'चै + अन' की संधि होगी - चयन

ii) 'पौ + अक' की संधि होगी - पावक

iii) 'मनोरथ' का संधि विच्छेद है - मनः + रथ

iv) 'सज्जन' का संधि विच्छेद है - सत् + जन

5) नीचे लिखी शब्दों को उनके उचित पर्यायवाची शब्दों से मिलान करो -

नाक – नासिका, घ्राण

माता – जननी, माँ

मछली – मीन, मकर

अतिथि – मेहमान, आगंतुक

तलवार – खड्ग, कृपाण

फूल – पुष्प, सुमन

6) दिए गए शब्दों से मूल शब्द और प्रत्यय को अलग-अलग करके लिखो :–

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
सब्जीवाला	सब्जी	वाला
मुखिया	मुख	इया
लकड़हारा	लकड़	हारा
बाज़ीगर	बाजी	गर
हँसकर	हँस	कर

1) मौखिक :-

क) वर्षा की पहली बूँद धरती पर कब आई ?

A - जिस दिन पावस का प्रथम दिन था उसदिन वर्षा की पहली बूँद धरती पर आई ।

ख) नए जीवन की अँगड़ाई कौन ले रहा है ?

A - नए जीवन की अँगड़ाई अंकुर ले रहा है ।

ग) सूखी धरती पर वर्षा की बूँद को किसके समान माना गया है ?

A - सूखी धरती पर वर्षा की बूँद अमृत के समान माना गया है ।

घ) कविता में बादल को किसके समान बताया गया है ?

A - कविता में बादल को काली पुतली के समान बताया गया है ।

ङ) धरती किसके लिए ललचाई ?

A - धरती शस्य श्यामला के लिए ललचाई ।

Date
Page

4) कविता की पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दो-

प्रश्न -

i) नीले नयनों रूपी कौन है ?

A- नीले नयनों रूपी अंबर है ।

ii) धरती की प्यास किससे बुझी ?

A- धरती की प्यास चिर से बुझी है ।

iii) धरती का मन किसके लिए ललचा रहा था ?

A- धरती का मन शस्य श्यामला के लिए ललचा रहा था ।

2) लिखित :-

क) 'हरी - दूब पुलकी - मुसकाई' - कहने से कवि का क्या तात्पर्य है ?

A- 'हरी - दूब पुलकी - मुसकाई' - कहने से कवि का यह तात्पर्य है कि बारिश की पहली बूंद जब धरती पर आई तब दूब के ऊपर गिरने से हरा - भरा होने लगा ।

ख) धरती की बहुत दिनों की प्यास कैसे बुझी ?

A - पावस का प्रथम दिवस धरती पर पहली बूँद गिरी तब धरती की प्यास बुझी ।

ग) कविता की पंक्तियों की व्याख्या अपने शब्दों में करें ।

A - इन ~~पंक्ति~~ पंक्तियों के माध्यम कवि कहते हैं कि वर्षा की पहली बूँद जब धरती पर आती है तो धरती के अंदर छिपे बीज में अंकुर फूटकर बाहर निकल आता है बीज नया जीवन पाकर अँगड़ाई लेकर जाग गया हो धरती के सूखे होठों पर बारिश की बूँद अमृत के समान गिरी हो घास भी मुसकाने लगी आसमान में बिजली चमक रही है ढोल नगाड़े बजाकर धरती की यौवनता को जगा रहा है । आसमान में काले बादल उन नीली - नीली आखों की काली पुतली के समान है धरती दुःखित होकर वर्षा रूपी आँसू बहा रहा है बूढ़ी धरती पर शस्य - श्यामल बनने पर ललचाई ।

घ) i) आकाश में उड़ते बादलों ने बिजलियों के सुनहरे पंख लगा लिए हैं ।

A - आसमान में उड़ता सागर
लगा बिजलियों के स्वर्णिम पर

ii) आकाश के बादलों ने दया के पिघले हुए आँसुओं से धरती की बहुत दिनों की प्यास बुझाई है,

A- करुणा विगलित अश्रु बहाकर
धरती की चिर प्यास बुझाई,

iii) बूढ़ी धरती हरी-भरी होने के लिए फिर से ललचा रही है,

A- बूढ़ी धरती शस्य-श्यामला
बनने को फिर से ललचाई,